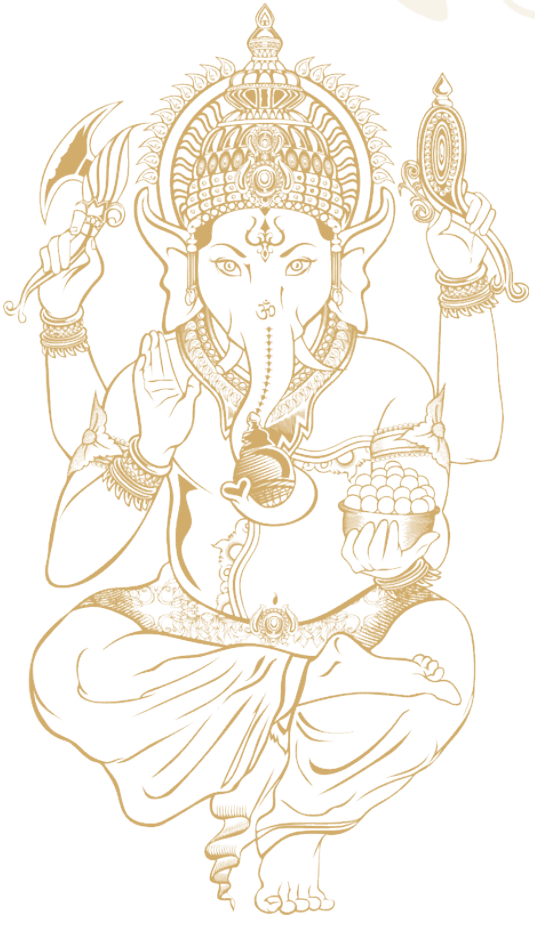

# Harjot

26 Oct 2005

03:55 AM

Bhatinda

# लाल किताब

**बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।**
**ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।**

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **25-26/10/2005** |
| दिन | मंगल-बुधवार |
| **जन्म समय** | **03:55:00 घंटे** |
| इष्ट | 53:09:44 घटी |
| **स्थान** | **Bhatinda** |
| राज्य | Punjab |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| दादा का नाम | |
| पिता का नाम | |
| माता का नाम | |
| जाति | |
| गोत्र | |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 30:10:00 उत्तर |
| रेखांश | 74:58:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:30:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 03:24:52 घंटे |
| वेलान्तर | 00:15:57 घंटे |
| साम्पातिक काल | 05:42:29 घंटे |
| सूर्योदय | 06:39:06 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:49:06 घंटे |
| दिनमान | 11:10:00 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 08:40:00 तुला |
| लग्न के अंश | 02:14:58 कन्या |

| | |
|---|---|
| चैत्रादि संवत / शक | 2062 / 1927 |
| मास | कार्तिक |
| पक्ष | कृष्ण |
| सूर्योदय कालीन तिथि | 8 |
| तिथि समाप्ति काल | 19:59:15 |
| जन्म तिथि | 9 |
| सूर्योदय कालीन नक्षत्र | पुष्य |
| नक्षत्र समाप्ति काल | 24:41:53 घंटे |
| जन्म नक्षत्र | आश्लेषा |
| सूर्योदय कालीन योग | साध्य |
| योग समाप्ति काल | 21:12:58 घंटे |
| जन्म योग | शुभ |
| सूर्योदय कालीन करण | बालव |
| करण समाप्ति काल | 06:46:43 घंटे |
| जन्म करण | तैतिल |
| भयात | 08:02:48 |
| भभोग | 67:31:10 |
| भोग्य दशा काल | बुध 14 वर्ष 11 मा 2( |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | राशि | अंश | स्थिति | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 02:14:58 | --- | -- | -- | -- | नेक |
| सूर्य | तुला | 08:40:00 | नीच राशि | -- | हाँ | -- | नेक |
| चन्द्र | कर्क | 18:15:25 | स्वराशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| मंगल | व मेष | 25:21:00 | स्वराशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| बुध | वृश्चिक | 00:34:48 | सम राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| गुरु | तुला | 06:01:22 | शत्रु राशि | -- | हाँ | -- | नेक |
| शुक्र | वृश्चिक | 25:25:53 | सम राशि | -- | -- | -- | नेक |
| शनि | कर्क | 16:40:51 | शत्रु राशि | -- | -- | हाँ | नेक |
| राहु | मीन | 19:33:03 | सम राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| केतु | कन्या | 19:33:03 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | नेक |

## भाव स्थिति

| खाना नं. | मालिक | पक्का घर | किस्मत जगानेवाला | सोया | उच्च | नीच |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मंगल | सूर्य | मंगल | -- | सूर्य | शनि |
| 2 | शुक्र | गुरु | चंद्र | -- | चंद्र | -- |
| 3 | बुध | मंगल | बुध | -- | राहु | केतु |
| 4 | चंद्र | चंद्र | चंद्र | हाँ | गुरु | मंगल |
| 5 | सूर्य | गुरु | सूर्य | हाँ | -- | -- |
| 6 | बुध | बुध,केतु | केतु | -- | बुध,राहु | शुक्र,केतु |
| 7 | शुक्र | शुक्र,बुध | शुक्र | -- | शनि | सूर्य |
| 8 | मंगल | मंगल,शनि | चंद्र | -- | -- | चंद्र |
| 9 | गुरु | गुरु | शनि | -- | केतु | राहु |
| 10 | शनि | शनि | शनि | हाँ | मंगल | गुरु |
| 11 | शनि | शनि | गुरु | -- | -- | -- |
| 12 | गुरु | गुरु,राहु | राहु | -- | शुक्र,केतु | बुध,राहु |

## लग्न कुंडली

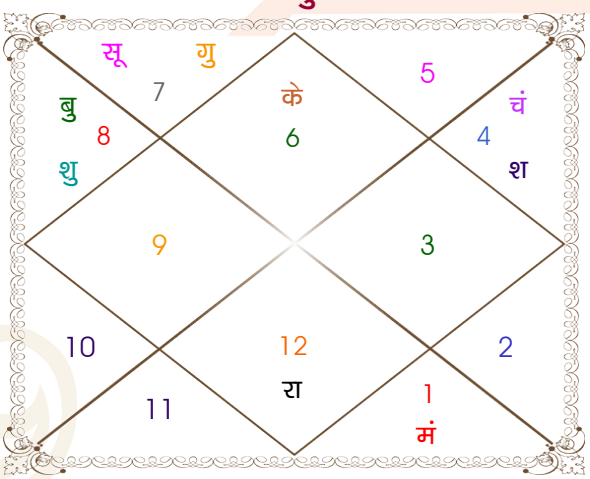


## लालकिताब कुंडली

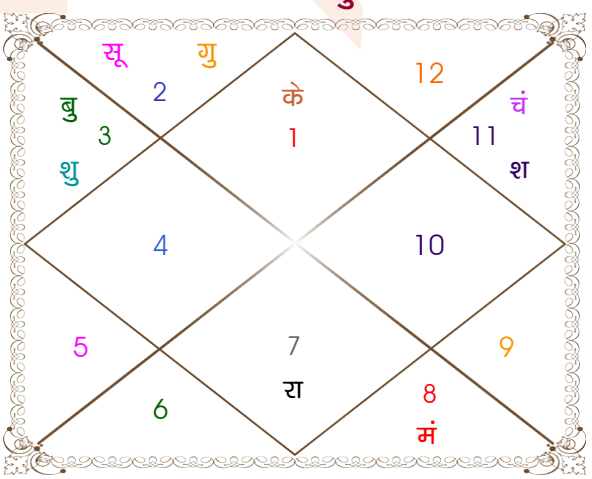

# लाल किताब ग्रह फल

## सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप दानी, भरोसे से काम करने वाले। आप अपने पराक्रम से प्रगति करेंगे। स्वयं उन्नति कर दूसरों के लिए उन्नतिकारक होंगे। स्वयं पराक्रम से धन कमाने वाले, हुनर की कमाई से बरकत पाने वाले। आपको उत्तम सवारी का सुख मिलेगा। आपको तीनों लोकों का सुख प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में मुखिया बनेंगे। धर्म मंदिर-धर्मशाला का निर्माण करवाएंगे। ससुराल एवं पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। माता-पिता/सास-ससुर सगे संबंधियों के लिए अनुकूल तथा परिवार में स्त्रियों के लिए भारी होंगे। आपको सरकार से लाभ मिलेगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारोबार के मालिक भी बन सकते हैं। कर्ण की तरह दानवीर भी बनेंगे।

यदि आपने अपने रिश्तेदारों से जायदाद-धन आदि के लिये मुकद्दमें आदि किये, किसी दूसरे व्यक्ति का माल हड़प किया, सफेद वस्तुएं (चावल-चांदी दूध आदि) मुफ्त ली तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपकी पत्नी, प्रेमिका तथा धन पर बुरा असर पड़ेगा। माता या मौसी पर भी अशुभ प्रभाव होगा। परिवार में स्त्रियों की संख्या कम होगी। इस हालात में बहन, माता/सास, भाभी पर अशुभ असर पड़ सकता है। माता, बुआ या मौसी विधवा हो सकती है। धन, स्त्री, जमीन के लिये मुकद्दमें झगड़े अगर आप करेंगे तो आपका कुल तक नष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त के माल पर नजर न रखें।
2. गिफ्ट या दान न लेवें।

उपाय :

1. नारियल या सरसों का तेल या बादाम धर्म स्थान में देवें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

## चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से विद्या का पूरा लाभ उठायेंगे जो आगे आने वाले समय में शुभ रहेगा। अगर आप रात्रि समय विद्या पढ़ें तो लाभ हो सकता है। आपके पास सुख के सब साधन उपलब्ध रहेंगे। सत्ता का श्रेष्ठतम फल प्राप्त होगा। 32 वर्ष की उम्र तक लगातार धन आता रहेगा। आपको स्त्रियों का सहयोग मिलेगा और स्त्री से लाभ प्राप्त होगा। आमदनी में बरकत होगी।

यदि आपने शुक्रवार विवाह किया या रात्रि समय विवाह के फेरे लिए, प्रभात समय

दान दिया या लिया, बुधवार को नया काम शुरु किया, शनिवार मकान मशीनरी खरीदी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से विद्या में रुकावट आयेगी। संतानोत्पत्ति में बाधा होगी या आपको पुत्र प्राप्ति में बाधा आ सकती है। कामशक्ति की दुर्बलता रहेगी (कामशक्ति में कमजोरी के समय किसी वैद्य की सलाह से सोना युक्त दवाईयां या दूध से बनी चीजों का इस्तेमाल करें)। आपकी माता देर से आपके पुत्र का सुख देखेंगी। आपकी स्त्री को जब बच्चा पैदा होने वाला हो तो आपकी माता वहां से कहीं और चली जाएं या आपकी स्त्री अपने मायके में बच्चा पैदा करे। आपकी माता जन्म के बाद आपके बच्चे को 43 दिन तक आखों से न देखें या हाथों में न उठायें कर तो आपकी माता और आपके बच्चे की लम्बी आयु रहेगी वरना एक की आयु क्षीण हो जाएगी। आपका या आपकी माता की आंखों के आप्रेशन का भय है। आपके दादी-माता से अधिक मधुर संबंध नहीं रहेगे। आप दुश्मन से परेशान रहेंगे। आपके जीवन में उत्थान-पतन के भी योग आ सकते हैं। आपके भाई-बंधु एवं संपत्ति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विद्या अधूरी न छोड़ें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. भैरों मंदिर में दूध चढ़ावें या मजदूर पेशा आदमी को दूध पिलायें।
2. माता का स्वास्थ्य खराब हो तो 11-11 खोये के पेड़े 11 बच्चों मे बांटें।
3. घर में छत के नीचे नदी का पानी रखें।